

CBSE

Model Answer Sheet 2014

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
Central Board of Secondary Education, Delhi

Fictitious Roll No.
(To be filled in by the candidate)

(परीक्षार्थी भरें To be filled in by the candidate)

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाये गये बाक्स में ही लिखें
Candidate should write code no. as written on the top of the question paper in this box



3/1

अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका (ओं) की संख्या
No. of supplementary answer-book (s) used



Nil

परीक्षा का नाम Name of the examination AISSE 2014

कक्षा Class TENTH (X)

विषय Subject HINDI COURSE A (002)

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination Wednesday, 5th March 2014

उत्तर देने का माध्यम Medium of answering the paper

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो सम्बन्धित वर्ग में ✓ का निशान लगायें।

B=दृष्टिहीन, D=मूक एवं बधिर, H=शारीरिक रूप से विकलांग, S=स्फस्टिक, C=डिस्लेक्सिक

If Physically challenged, tick the category

B=Blind, D=Deaf & Dumb, H=Physically Handicapped, S=Spastic, C=Dyslexic

क्या लेखन - लिपिक उपलब्ध करवाया गया हाँ / नहीं

Whether writer provided: Yes / No

प्रमाणित किया जाता है कि/हमने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन प्रश्न पत्र के समुचित सेट के अनुसार और पूर्ण रूप से मूल्यांकन पद्धति के अनुसार किया है।
Certified that I/We have evaluated this answer-book according to the correct set of question paper and strictly as per the marking scheme.

प्रथम परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या

Signature & Number of First Examiner

द्वितीय परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या

Signature & Number of Second Examiner

जहाँ पर सामूहिक अंकन की व्यवस्था हो वहीं सभी परीक्षकों के लिए हस्ताक्षर करना अनिवार्य है।
All the Examiners are required to sign where there is a provision of team marking

प्रथम समन्वयकर्ता के हस्ताक्षर व संख्या

Signature & Number of First Co-ordinator

द्वितीय समन्वयकर्ता के हस्ताक्षर व संख्या

Signature & Number of Second Co-ordinator

मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर व संख्या, यदि जाँच की हो

Signature & Number of Head Examiner if checked

Q.No.	Marks
01	
02	
03	
04	
05	
06	
07	
08	
09	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
TOTAL	
(i)	

Q.No.	Marks
21	
22	
23	
24	
25	
26	
27	
28	
29	
30	
31	
32	
33	
34	
35	
36	
37	
38	
39	
40	
TOTAL	
(ii)	



Grand Total of (i) & (ii)
In figures

--	--	--

Total of marks in words

खण्ड - क

- (1) (i) (क) निजता ✓
 (ii) (घ) आस-पड़ोस का हस्तक्षेप पसंद करना ✓
 (iii) (क) अलगाव और अकेलापन ✓
 (iv) (ग) आत्मीयता ✓
 (v) (क) उपेक्षा करना ✓
- (2) (i) (ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव ✓
 (ii) (क) सहज प्रेम एवं सहयोग ✓
 (iii) (ख) नैतिक मान्यताओं पर ✓
 (iv) (ग) उनके अपनत्व पर ✓
 (v) (ग) गांधी जी की नैतिकता ✓
- (3) (i) (क) देश की जनता दुखी और भूखी है ✓
 (ii) (क) भूखे को भोजन और नंगों को वस्त्र देने के लिए ✓
 (iii) (घ) देश का जनसमुदाय कठिनाइयों और कष्टों को सह रहा है ✓
 (iv) (क) क्रान्ति शिथिल हो या उग्र ✓
 (v) (घ) व्यक्ति प्राणी ✓

- (4) (i) (क) मातृभूमि के प्रति गहन अनुराग ✓
 (ii) (क) देशवासियों के सुख-दुख के प्रति की सहज अनुभूति ✓
 (iii) (ख) (घ) प्राणों का आधार है ✓
 (iv) (घ) दिशाहीन जीवन ✓
 (v) (ख) अनुप्रास ✓
 (ख) (ख) (ख)

(5) (क) भावुक
 गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग,
 'व्यक्ति' विशेष्य का विशेषण ✓

(ख) कौंह
 सार्वनामिक विशेषण, अनिश्चय, एकवचन
 'मिखरी' विशेष्य का विशेषण ✓

(ग) यहाँ
 स्थानवाचक क्रियाविशेषण, एकवचन, निश्चय सर्वनाम
 'रहता है' क्रिया का क्रिया विशेषण ✓

(घ) वे
अन्य पुरुष, पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक,
'पहुँच चुके हैं' क्रिया के कर्ता

(6) (क) विदूषी कक्षा में बैठी और अपनी सहेली रेखा की प्रतीक्षा करने लगी।

(ख) मित्र वाक्य

(ग) जो व्याप्त प्रतियस्पर्धा में प्रथम आया, उसे बुलाओ।

(घ) वह गाड़ी चलाता है और साथ-साथ मोबाइल पर बात भी करता है।

(7) (क) माँ से रोया भी नहीं जा सकता।

(ख) मंत्री जी के द्वारा राहत-सामग्री बँवाई गई।

(ग) उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।

(घ) नलिन, अब सो जाते हैं।

(8) (क) अनुप्रास ('सु' की आवृत्ति)

(ख) मानवीकरण ('थकी सोई')

(ग) उपमा (माखन-सा मन)

(घ) रूपक (प्रीति-नदी)

(9) (क) धीरे-धीरे
 शीतिवाचक क्रिया विशेषण, पुनरुक्ति, अत्यय,
 'बहने लगी' क्रिया का क्रिया विशेषण

- (ख) शर्मिला ने नारता क्रिया और नानी मिलने चल दी।
 (ग) बीमारी के बाद, दादा से चला भी नहीं जाता।
 (घ) यमक (तार)

खण्ड 3

- (10) (i) (A) बिस्मिल्ला खाँ जैसा संगीतकार
 (ii) (ख) जातियों में परस्पर बंधुत्व का भाव
 (iii) (घ) भारतरत्न
 (iv) (ख) सर्वश्रेष्ठ संगीतकार होने का कारण
 (v) (ख) संगीत की समझ

(11) (क) नहीं, पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत बोलना उनके अनपढ़ होना का सबूत बिल्कुल भी नहीं है। प्राकृत उस जमाने की बोल-चाल की भाषा थी। कुछ ही लोग, संस्कृत बोल पाते थे, बाकि सभी लोग, चाहे वो पढ़े-लिखे हों या अनपढ़ हों, प्राकृत में ही

बोला करते थे। ~~वे~~ बौद्ध-जैन धर्म का सारा साहित्य प्राकृत में ही लिखा गया है। यदि देखा जाए तो, अ हिंदी, बांग्ला, तेलुगु आदि आज की प्राकृत भाषाएँ हैं किंतु इसका मतलब यह नहीं है कि इन्हें बोलने वाले सभी लोग अनपढ़ हैं। अतः प्राकृत बोलना स्त्रियों के अपढ़ होने का सबूत नहीं है।

(ख) शहनाई की दुनिया में 'डुमराँव' को दो मुख्य कारणों से याद किया जाता है। वह हैं -

(i) डुमराँव, प्रसिद्ध शहनाईवादक अस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ का जन्मस्थान है। उनके पूर्वज भी वहीं के रहनेवाले थे।

(ii) दूसरा कारण यह है कि शहनाई व शहनाईवादन में इस्तेमाल किया जाने वाला सीड या नर्कट का पास डुमराँव में, सोन नदी के किनारे बड़े विशेष रूप से पाया जाता है।

(ग) लेखक के अनुसार संस्कृति मानव विवेक से जुड़ी है। उसके प्रेरणा के स्रोत कई हो सकते हैं, जैसे आग के खोज के पीछे पेट की ज्वाला की प्रेरणा रही होगी या सुई-धागे के आविष्कार के पीछे अपने तन को ढकन और उसे सुरक्षित रखने की प्रावृत्ति रही होगी। किंतु इनके अलावा, मनुष्य की आंतरिक जिज्ञासा भी उसके संस्कृति की

प्रेरणा बन सकती है। एक सुखी आदमी का निठिल्ला बैठने के बजाय, तारों के बारे में जानने की कोशिश करना उसको जिज्ञासा का ही परिणाम है। लेखक मानते हैं कि जो व्यक्ति अपनी विवेक से इस समाज को किसी नए तथ्य से परिचित कराता है, वही एक संस्कृत व्यक्ति कहलाता है। जैसे न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज की, अतः वह एक संस्कृत व्यक्ति है। साथ ही सारे सुख त्यागकर, सरचाई को ढूँढने के लिए निकल गीतमबुद्ध भी संस्कृत हैं। लेखक का कहना है कि संस्कृति एक आविर्भाव्य वस्तु है। इसको साबित करने के लिए यह उदाहरण दिया कि मनुष्य हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई, अपने संप्रदायों के बावजूद सर्वश्रेष्ठ चीजें अपनाता है।

घ)

बिस्मिल्लाह खाँ का काशी से एक अटूट संबंध था। वे जंगल को 'मैया' कहते थे। काशी विश्वनाथ के प्रति उनके हृदय में अपार श्रद्धा की भावना थी। जब भी वे काशी से बाहर रहते, वे कुछ समय के लिए कहीं नहीं, काशी विश्वनाथ के दिशा में मुड़कर बैठ जाते और शहनाई बजाते। इससे उनका, 'बाबा विश्वनाथ के प्रति श्रद्धा प्रकट होती है। वे मानते थे कि उनका, बाबा विश्वनाथ के साथ का रिश्ता अटूट और अंगत है।

(इ.) स्त्री-व स्त्री-शिक्षा के विरोधी कई तर्क देकर अपने इस दुरविचार का समर्थन करते थे, जैसे -

(i) प्राचीन नाटकों में स्त्रियों संस्कृत की जगह प्राकृत बोलती थीं। इससे यह पता चलता है कि उस जमाने में भारतवर्ष की स्त्रियों को ~~अपढ़~~ ~~खा~~ पढ़ाया गया था।

(ii) संघ शकुंतला बहुत कम पढ़ी-लिखी थी किंतु इतनी कम पढ़ाई के बावजूद भी उसने उसने दुष्यंत को इतने कटु शब्दों में स्त्रियों का इतना कम पढ़ना भी अनर्थ कर देता है। अतः स्त्रियों को ~~अपढ़~~ ~~खा~~ पढ़ना पढ़ाया जाना चाहिए।

(12) (क) लड़की का ~~अपना~~ अपने चेहरे पर शीझना हानिकारक है क्योंकि असुराल के लोग उसके सुंदरता की प्रशंसा करेंगे और, अगर वो उनकी बातों में आकर अपने ही सुंदरता पर मंत्र भुग्ध हो जाती है तो यही बात उसको सांसारिक बंधन में बाँधकर रख सकती है। उसे हमेशा सचेत रहना चाहिए और स्वयंथार्थ को समझने ~~का~~ ~~की~~ कोशिश करनी चाहिए।

(ख) यहाँ 'आगे' के माध्यम से समाज की दो समस्याओं की ओर

संकेत किया गया है -

- (iv) गृह हिंसा और स्त्रियों पर अत्याचार, कभी-कभी तो उन्हें डोरी या किसी अन्य मामले में ज़िंदा जला दिया जा रहा है।
- (v) स्त्रियों को सांसारिक बंधन में बाँध दिया जा रहा है। खाना बनाना व घर के पालन-पोषण तक ही उन्हें सीमित रखा जा रहा है।
- (vi) वस्त्र और आभूषण के प्रति स्त्रियों का आकर्षण स्वाभाविक होता है। स्त्रियाँ अपनी खूबसूरती पर रीझती हैं। वस्त्र और आभूषण उन्हें, उनकी सुंदरता को बढ़ाने के माध्यम लगते हैं। अतः वे उनके शालिक भ्रमों में खोई रहती हैं।
- (vii) ससुराल के लोग उ बहू को व वस्त्र और आभूषण देकर उसका मन बहलाने-जीतने की कोशिश करते हैं। वे उसे इनका लोभ देकर उस उन्हें प्यारे लू बंधनों में बाँधक देते हैं। उससे घर का सारा काम करवाते हैं।
- (viii) माँ ने अपनी बेटी को यह सब सीख इसलिए दी क्योंकि उसकी

बेटी अभी शौली और सरल थी, सयानी नहीं थी। उसे वैवाहिक जीवन के काल्पनिक सुखों का अंदाजा था किंतु वो सांसारिक जीवन के यथार्थ और लोकव्यवहार से अपरिचित थी। अतः माँ उसे यह सब बताकर सचेत करना चाहती है।

(13) (क) संगतकार ऐसे व्यक्ति होते हैं जो किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं किंतु कभी, खुद चर्चा में नहीं आते। ऐसे लोगों की जीवन में बड़ी विशेष उपयोगिता है। वे पीछे रहकर मुख्य कलाकार या व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं, उनका साथ देते हैं और सफलता के चरम शिखर पर पहुँचकर लड़खड़ाते वक्त उनको संभालते हैं।

(ख) लड़की की विदाई के क्षण में के लिए ही विशेषतः अधिक दुःख इसलिए होती है क्योंकि उसने उसे बड़े लाड़-प्यार से बड़ा किया है व था। वह उसकी साथी थी जिससे वो अपनी हर बात कहती, अपने हर सुख-दुःख बाँटती थी। वह उसको अपनी अंतिम पूँजी लगाती है साथ ही उसे उसकी पिता है। वो, बहु को समुदाय में जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, उससे परिचित थी इसलिए वो अपनी बेटी की पिता करती है।

(ग) 'दाया मत घूना' कविता में कवि ने यथार्थ के पूजन की बात इसलिए कही है क्योंकि वही जीवन की सच्चाई है। मनुष्य बीती हुई मधुर यादों में खोया रहता है और सच्चाई से बचकर भागने की कोशिश करता है किंतु उसका साथ का सामना करना अनिवार्य है। उसके हिसाब से यथार्थ ही सर्वस्व है और जो चंद्रिका के साथ आने वाली कृष्ण के समान सुख के साथ आता है।

(ख) यहाँ 'दाया' शब्द का प्रयोग बीती हुई मधुर यादों के लिए, यश, वैभव और लक्ष्मण के लिए की गई है। मनुष्य इन सब चीजों के पीछे भागता है किंतु वह उसे कभी प्राप्त नहीं होती। वो मधुर यादों में खोया रहता है जिससे कौन यथार्थ उसके लिए और कठिन हो जाता है और जीवन बीजिल। अतः कवि ने इन्हें घूने से मना किया है।

(ड) परशुराम एक बाल ब्रह्मचारी व अति क्रोधी मुनी थे वे शिवजी के भक्त थे। जब उन्हें पता चला की सीता-स्वयंवर में शिवधनुष को तोड़ दिया गया है वे अति क्रोधी हो उठे। वे शिवधनुष का तोड़ना, उनके स्वामी का अपमान करने के

समान मानते थे। यही उनके क्रोध का मूल कारण था। साथ ही लक्ष्मण व्यंग्य वचनें उनके अंदर की आग को और उत्तेजित बहका रही थी।

(14) भारत एक बड़ा ही सुंदर देश है। किंतु इसके प्राकृतिक स्थानों के सौंदर्य का आनंद जैसे समय अधिकांश सैलानी वहाँ के पर्यावरण को दूषित करते हैं। देश के नागरिक होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि हम इसकी रक्षा करें। इसकी नैसर्गिक सौंदर्य की सुरक्षा के लिए हम निम्नलिखित निम्नलिखित योगदान देंगे -

- (i) अपने शासकों पर पर्याटिक स्थानों की सुरक्षा के लिए नियम बनाने के लिए दबाव डालेंगे।
- (ii) हम खुद कभी ऐसी हरकत नहीं करेंगे।
- (iii) हम अन्य नागरिकों को इस विषय के प्रति जागरूक करेंगे।
- (iv) प्रकृति की महता के बारे में उनको बताएँगे।

(15) (ख) "मन पर किसी का बस नहीं, वह रूप या उमर का कायल नहीं होता।" डन्नू ने यह, दुलारी से कहा। डन्नू दुलारी को सच्चे हृदय से चाहता था। वो उससे कई साल बड़ी थी किंतु डन्नू का कहना था कि उसका प्यार उसके आत्मा से जुड़ी है नकि उसके शरीर से।

इसका आशय यह है कि सच्चा प्यार उम्र या रूप के बंधनों में नहीं बंधा रहता, वह आत्मा से जुड़ा होता है।

(ग) विदेशी वस्त्रों को जलाए जाने वाले ढेर में दुलारी द्वारा गई साड़ियों को फेंका जाना अ. उसकी देशभक्ति व दुःख के प्रति आदर को दर्शाता है। उसने दुःख से खूब खूब धारणा करने की सीख ली। साथ ही यह उसके साहस, निडरता और दृढ़ता का परिचायक है।

(घ) "मेरे वयो - लिखता हूँ" पाठ के लेखक ने हिरोशिमा के विस्फोट और उसकी व. उसके परिणाम के बारे में सुनकर या उसे प्रत्यक्ष देखकर भी उसका भोवता नहीं बग पाई। एक बार जब वह हिरोशिमा के किसी सड़क पर चलते वक्त धूम रहा था तो उसकी नजर एक पत्थर पर पड़ी जिस पर एक मानव की पिघली हुई धारा थी। उन्होंने सोचा कि शायद बम विस्फोट के वक्त कोई इंसान उस पत्थर के पास खड़ा रहा होगा। विस्फोट से निकली रेडियोधर्मी-किरणों ने उसे भाप बनाकर उड़ा ले गए होंगे और उसकी धारा अ. पत्थर पर धोड़ गए होंगे। उस दृश्य को देखते ही लेखक अपने

आपको उस छिस्फोट का भोक्ता प्राप्त लिया।

(16)

(का) मित्र कैसा हो?

"कहि रहीम संपत्ति सगे; बनत बहुत बहु रीत
बिपति कसौटी जे कसे; तेई सौचे मीत॥" - रहीम

मित्र जीवित का एक इंसान के जीवन में अलग ही महत्व है। मित्र मानव जीवन की आवश्यकता है। मित्र हमें सहारा देते हैं, हमारे सुख दुख को बाँटते हैं और हमेशा हमारा साथ देते हैं। सच्चा मित्र वही होता है जो हमारे सुख को नहीं बल्कि जो हमारे दुख को बाँटता है। कठिन समयों में वह हमें हमारा हौसला बढ़ाता है और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एक सच्चा मित्र कभी भी किसी भी कीमत पर हमारा साथ नहीं छोड़ता, न ही हमें धोखा देता है। वो हमेशा हमारी भलाई चाहता है और हमें सही रास्ता दिखाता है। एक सच्चा मित्र हमारे ही हमारी खूबी-कमियाँ बताये पर वो हमें उन्हें सुधारने के लिए प्रेरित करता है। सरल शब्दों में हम कह सकते हैं कि एक सच्चा मित्र एक सच्चा साथी होता है, हमारी हर मुश्किल में साथ देकर मदद

करता है।

यह सच है कि एक सच्चे मित्र को चुनना मुश्किल है किंतु वो नामुमकिन नहीं है। हमें अपने मित्र बड़े सावधानी से चुनना चाहिए। उनके स्वभाव को समझना चाहिए। हमें हमेशा ~~कुछ~~ कुछ दूरी इंसानों से दूर रहना चाहिए। हमें गलत और सही का फर्क पता होना चाहिए। वही सच्चा मित्र है जो हमारी गलतियों को दिखाकर उन्हें सुधारने की प्रयास करता है नाकि हरदम हमारी पूजा करता हो। एक सच्चा मित्र मिलना मुश्किल है और एक बार मिलने के बाद उसे कभी न जाने देना।

(17)

प्रेषक :
टी. निहारिका
202 'ब' ब्लॉक
क. ख. ग. गाँव

दिनांक : 5 मार्च 2014

सेवा में,
मुख्य विधायक
क. ख. ग. गाँव
च. द. ज. जिला

विषय :- बालिका - विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध ।

महोदय,
मुझे निवेदन है कि मैं आपके क्षेत्र की क. ख. ग. गाँव की निवासी हूँ। मैं अपनी बेटी और मैं अनेक गाँववासियों की लड़कियों के लिए हमारे गाँव में एक बालिका - विद्यालय की स्थापना के लिए अनुरोध करती हूँ। अधिकतर गाँववासियों का अपनी बेटियों

को विद्यालय न भेजने का मुख्य कारण गाँव में विद्यालय का न होना ही है। वो अपनी बेटियों को दूर किसी शहर में पढ़ाई के लिए नहीं भेजना चाहते। अतः आपसे अनुरोध है कि आप हमारे गाँव में एक बालिका-विद्यालय स्थापित कर हमें कृतार्थ करें।

धन्यवाद !

भवदीया
टी. निहारिका



परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- उत्तर-पुस्तिका लेते ही सुनिश्चित कर कि इसमें कवर सहित 32 पृष्ठ हैं एवं सही क्रम में है।
- उत्तर-पुस्तिका, पूरक उत्तर-पुस्तिका, ग्राफ पेपर, नक्शे आदि के अन्दर अथवा बाहर कोई विशेष चिन्ह अथवा निशान न लगाये।
- अपना अनुक्रमांक, नाम, विद्यालय का नाम व परीक्षा का स्थान किसी उत्तर में न लिखें।
- अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका की क्रम संख्या उपस्थिति शीट पर लिखें।
- दोनों ओर तथा प्रत्येक लाइन पर लिखें तथा चौड़ा हाशिया छोड़कर पृष्ठों को नष्ट न करें।
- उत्तर-पुस्तिका के पृष्ठों को मोड़े या फाड़े नहीं और बीच-बीच में व्यर्थ ही खाली न छोड़ें। पूरक उत्तर-पुस्तिका की मांग तब तक न की जाए जब तक यह उत्तर-पुस्तिका/पिछली उत्तर-पुस्तिका भर न जाए।
- प्रश्न पत्र में दी हुई संख्या के अनुसार अपने उत्तरों की संख्या लिखें।
- प्रश्न (अथवा प्रश्न के एक भाग) के समाप्त होने पर एक नीचे रेखा खींच दें।
- यदि आपके द्वारा ग्राफ पेपर, नक्शा अथवा अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका काम में ली गई हो तो उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ अच्छी प्रकार से नत्थी कर दें। परन्तु अपना अनुक्रमांक ग्राफ, नक्शे, अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका आदि पर न लिखें।
- केवल नीली-काली अथवा गहरी नीली स्याही/जेल/बाल प्वाइंट पेन का प्रयोग करें अन्य किसी लेखन यंत्र/स्याही/पेंसिल का प्रयोग करना आपका अपना जोखिम एवं उत्तरदायित्व होगा।
- रफ अथवा कच्चे काम आदि के लिए संबंधित पृष्ठ के दांयी ओर उचित हाशिया खींच लें, बाद में रफ काम को एक रेखा द्वारा काट दें।
- सहायक अधीक्षक को उत्तर-पुस्तिका दिये बिना परीक्षा भवन न छोड़ें।
- यदि परीक्षा के दौरान, कोई परीक्षार्थी निम्नलिखित में से किसी में भी शामिल पाया जाता है तो यह मान लिया जाएगा कि परीक्षार्थी ने परीक्षाओं में अनुचित साधनों को अपनाया है और उसका परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किया जाएगा। किन्तु उस पर अनुचित साधन (यू.एफ.एम.) अंकित कर दिया जाएगा :-
(क) यदि उसके पास संबंधित पेपर की परीक्षा से सम्बद्ध कागज, पुस्तकें, नोट्स अथवा कोई अन्य सामग्री पायी गयी हो;
(ख) यदि वह प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार की सहायता प्रदान कर रहा हो अथवा प्राप्त कर रहा हो या ऐसा करने का प्रयास कर रहा हो;
(ग) यदि वह उत्तर लिखने के लिए केन्द्र अधीक्षक द्वारा दी गई उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार की सामग्री में प्रश्न अथवा उत्तर लिख रहा हो;
(घ) यदि वह उत्तर-पुस्तिका अथवा पूरक उत्तर पुस्तिका इत्यादि के पृष्ठ फाड़ रहा हो;
(ङ) यदि वह परीक्षा केन्द्र में परीक्षा के दौरान परीक्षा स्टाफ के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से सम्पर्क करने अथवा पत्र व्यवहार कर रहा हो या ऐसा करने का प्रयास कर रहा हो;
(च) परीक्षा कक्ष से उत्तर पुस्तिका बाहर ले जाने पर;
(छ) परीक्षा संबंधी कोई अन्य अवांछनीय तरीकों अथवा साधनों का प्रयोग करने अथवा ऐसा करने का प्रयास करने पर;
(ज) प्रश्न पत्र अथवा उसका कुछ भाग बाहर भेजने अथवा उत्तर-पुस्तिका/पूरक उत्तर-पुस्तिका शीट अथवा इसका कुछ भाग बाहर भेजने पर; और
(झ) परीक्षाओं के आयोजन से सम्बद्ध किसी कर्मचारी अथवा किसी परीक्षार्थी को धमकी देने पर।

Instructions to Candidates

- Make sure that the answer-book contains 32 pages and are properly serialised in number (including title pages) as soon as you receive it.
DO NOT make any special sign or mark in or outside the answer-book, supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
- DO NOT write your roll no. name of your school or place of examination in any of your answers.
- You must write the supplementary answer-book serial no. in the attendance sheet.
- Write on each ruled line on both sides and do not waste pages by leaving a wider margin.
- DO NOT tear out or fold the pages of the answer-book and do not leave any page blank unnecessarily. No supplementary answer-book(s) should be asked for unless this answer-book / the previous supplementary answer-book is finished.
- Number your answers according to their numbers in the question paper.
- Draw a line when a question (or a part thereof) is finished.
- Securely tag your answer-book with supplementary answer-book(s), graph-paper, map etc. if used by you, but DO NOT write your Roll No. on the supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
- Use only blue-black or royal-blue ink/gel/ball point pen. Using of any other writing instrument/ink/pencil etc will be on your own risk and responsibility.
- For rough calculation etc. appropriate margin on the right-hand side of the page may be drawn. The rough calculations etc. should be crossed out afterwards.
- DO NOT leave the examination hall without handing over the answer-book to the Asstt. Supdt.
- If during the course of examination, a candidate is found indulging in any of the following, he/she shall be deemed to have used unfair means at the examinations, and as such his/her result shall not be declared but shall be marked as UNFAIR MEANS (U.F.M.) :-
(a) having in possession papers, books, notes or any other material or information relevant to the examination in the paper concerned;
(b) giving or receiving assistance directly or indirectly of any kind or attempting to do so;
(c) writing questions or answers on any material other than the answer book given by the Centre Superintendent for writing answers;
(d) tearing of any page of the answer-book or supplementary answer-book etc.
(e) contacting or communicating or trying to do so with any person, other than the Examination Staff, during the examination time in the examination centre;
(f) taking away the answer-book out of the examination hall/room;
(g) using or attempting to use any other undesirable method or means in connection with the examination;
(h) smuggling out Question Paper or its part or smuggling out answer-book/supplementary answer-sheet or part thereof; and
(i) threatening any of the officials connected with the conduct of the examinations or threatening of any of the candidates.